

FMC

DURMET® Chlorpyrifos 20% E.C. (INSECTICIDE)

Chemical Composition: Chlorpyrifos tech.(based on 94% w/w) : 21.50% w/w, Emulsifier Anionic (Calcium Alkyl Aryl Sulphonate) Non Ionic (poly oxy ethylene ether): 6.00% w/w, Solvent Aromex : 72.50 % w/w, Total: 100.000% w/w. **Recommendations:** It is recommended to control hispa, leaf roller, gall midge, stem borer of Paddy, aphid, bollworm, whitefly & cut worm of cotton and insects of vegetables, fruits and to control termite in building, wood and seed treatment & soil treatment. **Direction of Use:** Please read enclosed leaflet before use. **Precautions:** 1. Keep away from foodstuffs, empty foodstuff containers and animals food. 2. Avoid contact with mouth, eyes and skin. 3.Avoid inhalation the spray mist Spray in the direction of wind. 4. Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying. 5. Do not smoke, drink, eat and chew anything while spraying.6.Wear full protective clothing while mixing and spraying. **Antidote:** 1. Atropinize the patient immediately and maintain full atropinization by repeated doses of 2 to 4 mg of atropine sulphate intravenously at 5 to 10 minutes interval. As much as 25 to 50 mg. of atropine may be required in a day. The need for further atropine administration is guided by the continuance of symptoms. Extent of salivation is a useful criterion for dose adjustment. 2. Dissolve 1-2 gm of 2 PAM in 10ml distilled water and inject intravenously very slowly for 10-15 minutes. **First Aid:** 1. If swallowed, induce vomiting by tickling the back of throat. Repeat it until the vomitus is clear. Do not induce vomiting if the patient unconscious. 2. If clothing and skin in contaminated, remove the clothes and wash the contaminated skin with copious amount of soap and water. 3. If eyes are contaminated, flush with plenty of saline/clean water for about 10 to 15 minutes. 4. If inhaled, remove the patient to fresh air.**Symptoms of Poisoning :** Headache, giddiness, vertigo, nausea, vomiting, blurred vision, diarrhoea, convulsions, sweating, excessive lacrimation, and salivation may occur. **Not to be used other than specified on this label/leaflet.**

DURMET®

CHLORPYRIPHOS 20%EC



FMC and DURMET are trademarks of FMC Corporation or an affiliate

डरमेट® क्लोरपायरीफॉस २० प्रतिशत ई.सी. (कीटनाशक)

रासायनिक संरचना : क्लोरपायरीफॉस टेक्नीकल (भारानुसार ९४% भार/भार आधारित) : २१.५०% भार/भार, इमल्सीफायर एनआयनिक (कैल्शियम एलकोल एरिल सल्फोनेट) नोन आयनिक पौलीआक्सिडेंटलिन ईथर : ६.०० %भार/भार, घोलक एरोमेक्स: ७२.५०% भार/भार, योग: १००.०००% भार/भार. **उपयोग:** इस कीटनाशक का उपयोग धान के ककेश रोमिल पर्ण वेल्मक, पौधा माड, तना छेदक, कपास के माहू, डोंडे की सुंड़ी, सफेद मक्खी, कजरा कीट, सक्त्रियों व फलों के कीटों की रोकथाम और दीमक से इमारतों व लकड़ी के बचाव एवं बीज शोधन व मिट्टी शोधन के लिये किया जाता है। **उपयोग के लिये निर्देश:** उपयोग से पहले संलग्न लीफलेट पढ़ें। **प्रयोगकर्ताओं के लिये सावधानियां :** १. खाद्य सामग्री, खाद्य सामग्री के खाली बर्तनों और पशुओं के चारे से दूर रहें। २. मुंह, त्वचा और आंखों के सम्पर्क से बचायें। ३. छिड़काव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचायें। हवा की दिशा में छिड़काव करें। ४. छिड़काव के बाद दूषित कपड़ों और शरीर के अंगों को अच्छी तरह धोएं। ५. छिड़काव के समय धुंधपान, खाना, पीना और कुछ बचाना नहीं चाहिए। ६. छिड़काव करते या मिलाने समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपड़े पहनें। **विषनाशक :** १. रोगी को तुरंत एट्रोपिन दीजिए और इसकी २ से ४ मि. ग्रा. तक की खुराक ५ से १० मिनट के अन्तराल पर अन्तः शिरा द्वारा लगातार देते हुए पूर्ण एट्रोपिनाइज रखिए। एक दिन में एट्रोपिन सल्फेट की अधिक से अधिक २५ से ५० मि. ग्रा. तक की मात्रा की आवश्यकता पड़ सकती है। एट्रोपिन सल्फेट की और मात्रा लक्षणों के बराबर रहते दी जा सकती है। एट्रोपिन की कितनी खुराक देनी चाहिए इसके लिए मुंह से निकलने वाली लार एक लाभदायक कसौती है। २. २.१ से २ ग्राम २ पी.ए.एम. १० मि.ली आसुत जल में घोलकर अन्तः शिरा द्वारा बहुत धीरे धीरे १० से १५ मिनट देना चाहिए। **प्राथमिक चिकित्सा:** १. यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उलटी कराएं यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उलटी द्वारा निगला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उलटी न कराये। २. यदि कपड़े और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपड़ों को उतार दें दूषित त्वचा को काफ़ी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं। ३. यदि आंखें दूषित हो जाये तो उनको काफ़ी मात्रा में सीलाइन/साफ पानी से लगाम १०-१५ मिनट तक धोएं। ४. यदि सांस द्वारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुद्ध हवा में ले जायें। **लक्षण:** सिरदर्द, भ्रूककर आना, धुंधला दिखना, मितली, उलटी, दस्त, झटके (मिरगी) अधिक पसीना आना, आंसू आना और लार टपकना हो सकते हैं। इस लेबल/पत्रिका में निर्दिष्टित उपयोगों के अलावा अन्य इस्तेमाल न करें। **निर्माता एवं विपणनकर्ता:** एफएएससी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, टीसीजी फाइनेंशियल सेंटर, २ वी मंजिल, सी-५३, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), बांद्रा सबर्बन, मुंबई - ४०००९८, महाराष्ट्र, भारत. **फंडेशनरी:** गोविं सिन्धुआ, पीएच आरिफिस मुबारकपुर, तहसिल - डेरा बल्सी, जिला : एस. ए. एस. नगर (मोहाली), पंजाब - 140507.

डरमेट® क्लोरपायरीफॉस २०% एसी (कीटनाशक)

रसायनिक संरचना : क्लोरपायरीफॉस टेक्नीकल (भारानुसार ९४% भार/भार आधारित) : २१.५०% भार/भार, इमल्सीफायर एनआयनिक (कैल्शियम एलकोल एरिल सल्फोनेट) नोन आयनिक पौलीआक्सिडेंटलिन ईथर : ६.०० %भार/भार, घोलक एरोमेक्स: ७२.५०% भार/भार, योग: १००.०००% भार/भार. **उपयोग:** इस कीटनाशक का उपयोग धान के ककेश रोमिल पर्ण वेल्मक, पौधा माड, तना छेदक, कपास के माहू, डोंडे की सुंड़ी, सफेद मक्खी, कजरा कीट, सक्त्रियों व फलों के कीटों की रोकथाम और दीमक से इमारतों व लकड़ी के बचाव एवं बीज शोधन व मिट्टी शोधन के लिये किया जाता है। **उपयोग के लिये निर्देश:** उपयोग से पहले संलग्न लीफलेट पढ़ें। **प्रयोगकर्ताओं के लिये सावधानियां :** १. खाद्य सामग्री, खाद्य सामग्री के खाली बर्तनों और पशुओं के चारे से दूर रहें। २. मुंह, त्वचा और आंखों के सम्पर्क से बचायें। ३. छिड़काव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचायें। हवा की दिशा में छिड़काव करें। ४. छिड़काव के बाद दूषित कपड़ों और शरीर के अंगों को अच्छी तरह धोएं। ५. छिड़काव के समय धुंधपान, खाना, पीना और कुछ बचाना नहीं चाहिए। ६. छिड़काव करते या मिलाने समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपड़े पहनें। **विषनाशक :** १. रोगी को तुरंत एट्रोपिन दीजिए और इसकी २ से ४ मि. ग्रा. तक की खुराक ५ से १० मिनट के अन्तराल पर अन्तः शिरा द्वारा लगातार देते हुए पूर्ण एट्रोपिनाइज रखिए। एक दिन में एट्रोपिन सल्फेट की अधिक से अधिक २५ से ५० मि. ग्रा. तक की मात्रा की आवश्यकता पड़ सकती है। एट्रोपिन सल्फेट की और मात्रा लक्षणों के बराबर रहते दी जा सकती है। एट्रोपिन की कितनी खुराक देनी चाहिए इसके लिए मुंह से निकलने वाली लार एक लाभदायक कसौती है। २. २.१ से २ ग्राम २ पी.ए.एम. १० मि.ली आसुत जल में घोलकर अन्तः शिरा द्वारा बहुत धीरे धीरे १० से १५ मिनट देना चाहिए। **प्राथमिक चिकित्सा:** १. यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उलटी कराएं यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उलटी द्वारा निगला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उलटी न कराये। २. यदि कपड़े और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपड़ों को उतार दें दूषित त्वचा को काफ़ी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं। ३. यदि आंखें दूषित हो जाये तो उनको काफ़ी मात्रा में सीलाइन/साफ पानी से लगाम १०-१५ मिनट तक धोएं। ४. यदि सांस द्वारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुद्ध हवा में ले जायें। **लक्षण:** सिरदर्द, भ्रूककर आना, धुंधला दिखना, मितली, उलटी, दस्त, झटके (मिरगी) अधिक पसीना आना, आंसू आना और लार टपकना हो सकते हैं। इस लेबल/पत्रिका में निर्दिष्टित उपयोगों के अलावा अन्य इस्तेमाल न करें। **निर्माता एवं विपणनकर्ता:** एफएएससी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, टीसीजी फाइनेंशियल सेंटर, २ वी मंजिल, सी-५३, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), बांद्रा सबर्बन, मुंबई - ४०००९८, महाराष्ट्र, भारत. **फंडेशनरी:** गोविं सिन्धुआ, पीएच आरिफिस मुबारकपुर, तहसिल - डेरा बल्सी, जिला : एस. ए. एस. नगर (मोहाली), पंजाब - 140507.

डरमेट® क्लोरपायरीफॉस २०% एसी (कीटनाशक)

रसायनिक संरचना : क्लोरपायरीफॉस टेक्नीकल (भारानुसार ९४% भार/भार आधारित) : २१.५०% भार/भार, इमल्सीफायर एनआयनिक (कैल्शियम एलकोल एरिल सल्फोनेट) नोन आयनिक पौलीआक्सिडेंटलिन ईथर : ६.०० %भार/भार, घोलक एरोमेक्स: ७२.५०% भार/भार, योग: १००.०००% भार/भार. **उपयोग:** इस कीटनाशक का उपयोग धान के ककेश रोमिल पर्ण वेल्मक, पौधा माड, तना छेदक, कपास के माहू, डोंडे की सुंड़ी, सफेद मक्खी, कजरा कीट, सक्त्रियों व फलों के कीटों की रोकथाम और दीमक से इमारतों व लकड़ी के बचाव एवं बीज शोधन व मिट्टी शोधन के लिये किया जाता है। **उपयोग के लिये निर्देश:** उपयोग से पहले संलग्न लीफलेट पढ़ें। **प्रयोगकर्ताओं के लिये सावधानियां :** १. खाद्य सामग्री, खाद्य सामग्री के खाली बर्तनों और पशुओं के चारे से दूर रहें। २. मुंह, त्वचा और आंखों के सम्पर्क से बचायें। ३. छिड़काव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचायें। हवा की दिशा में छिड़काव करें। ४. छिड़काव के बाद दूषित कपड़ों और शरीर के अंगों को अच्छी तरह धोएं। ५. छिड़काव के समय धुंधपान, खाना, पीना और कुछ बचाना नहीं चाहिए। ६. छिड़काव करते या मिलाने समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपड़े पहनें। **विषनाशक :** १. रोगी को तुरंत एट्रोपिन दीजिए और इसकी २ से ४ मि. ग्रा. तक की खुराक ५ से १० मिनट के अन्तराल पर अन्तः शिरा द्वारा लगातार देते हुए पूर्ण एट्रोपिनाइज रखिए। एक दिन में एट्रोपिन सल्फेट की अधिक से अधिक २५ से ५० मि. ग्रा. तक की मात्रा की आवश्यकता पड़ सकती है। एट्रोपिन सल्फेट की और मात्रा लक्षणों के बराबर रहते दी जा सकती है। एट्रोपिन की कितनी खुराक देनी चाहिए इसके लिए मुंह से निकलने वाली लार एक लाभदायक कसौती है। २. २.१ से २ ग्राम २ पी.ए.एम. १० मि.ली आसुत जल में घोलकर अन्तः शिरा द्वारा बहुत धीरे धीरे १० से १५ मिनट देना चाहिए। **प्राथमिक चिकित्सा:** १. यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उलटी कराएं यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उलटी द्वारा निगला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उलटी न कराये। २. यदि कपड़े और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपड़ों को उतार दें दूषित त्वचा को काफ़ी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं। ३. यदि आंखें दूषित हो जाये तो उनको काफ़ी मात्रा में सीलाइन/साफ पानी से लगाम १०-१५ मिनट तक धोएं। ४. यदि सांस द्वारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुद्ध हवा में ले जायें। **लक्षण:** सिरदर्द, भ्रूककर आना, धुंधला दिखना, मितली, उलटी, दस्त, झटके (मिरगी) अधिक पसीना आना, आंसू आना और लार टपकना हो सकते हैं। इस लेबल/पत्रिका में निर्दिष्टित उपयोगों के अलावा अन्य इस्तेमाल न करें। **निर्माता एवं विपणनकर्ता:** एफएएससी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, टीसीजी फाइनेंशियल सेंटर, २ वी मंजिल, सी-५३, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), बांद्रा सबर्बन, मुंबई - ४०००९८, महाराष्ट्र, भारत. **फंडेशनरी:** गोविं सिन्धुआ, पीएच आरिफिस मुबारकपुर, तहसिल - डेरा बल्सी, जिला : एस. ए. एस. नगर (मोहाली), पंजाब - 140507.

डरमेट® क्लोरपायरीफॉस २०% एसी (कीटनाशक)

रसायनिक संरचना : क्लोरपायरीफॉस टेक्नीकल (भारानुसार ९४% भार/भार आधारित) : २१.५०% भार/भार, इमल्सीफायर एनआयनिक (कैल्शियम एलकोल एरिल सल्फोनेट) नोन आयनिक पौलीआक्सिडेंटलिन ईथर : ६.०० %भार/भार, घोलक एरोमेक्स: ७२.५०% भार/भार, योग: १००.०००% भार/भार. **उपयोग:** इस कीटनाशक का उपयोग धान के ककेश रोमिल पर्ण वेल्मक, पौधा माड, तना छेदक, कपास के माहू, डोंडे की सुंड़ी, सफेद मक्खी, कजरा कीट, सक्त्रियों व फलों के कीटों की रोकथाम और दीमक से इमारतों व लकड़ी के बचाव एवं बीज शोधन व मिट्टी शोधन के लिये किया जाता है। **उपयोग के लिये निर्देश:** उपयोग से पहले संलग्न लीफलेट पढ़ें। **प्रयोगकर्ताओं के लिये सावधानियां :** १. खाद्य सामग्री, खाद्य सामग्री के खाली बर्तनों और पशुओं के चारे से दूर रहें। २. मुंह, त्वचा और आंखों के सम्पर्क से बचायें। ३. छिड़काव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचायें। हवा की दिशा में छिड़काव करें। ४. छिड़काव के बाद दूषित कपड़ों और शरीर के अंगों को अच्छी तरह धोएं। ५. छिड़काव के समय धुंधपान, खाना, पीना और कुछ बचाना नहीं चाहिए। ६. छिड़काव करते या मिलाने समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपड़े पहनें। **विषनाशक :** १. रोगी को तुरंत एट्रोपिन दीजिए और इसकी २ से ४ मि. ग्रा. तक की खुराक ५ से १० मिनट के अन्तराल पर अन्तः शिरा द्वारा लगातार देते हुए पूर्ण एट्रोपिनाइज रखिए। एक दिन में एट्रोपिन सल्फेट की अधिक से अधिक २५ से ५० मि. ग्रा. तक की मात्रा की आवश्यकता पड़ सकती है। एट्रोपिन सल्फेट की और मात्रा लक्षणों के बराबर रहते दी जा सकती है। एट्रोपिन की कितनी खुराक देनी चाहिए इसके लिए मुंह से निकलने वाली लार एक लाभदायक कसौती है। २. २.१ से २ ग्राम २ पी.ए.एम. १० मि.ली आसुत जल में घोलकर अन्तः शिरा द्वारा बहुत धीरे धीरे १० से १५ मिनट देना चाहिए। **प्राथमिक चिकित्सा:** १. यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उलटी कराएं यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उलटी द्वारा निगला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उलटी न कराये। २. यदि कपड़े और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपड़ों को उतार दें दूषित त्वचा को काफ़ी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं। ३. यदि आंखें दूषित हो जाये तो उनको काफ़ी मात्रा में सीलाइन/साफ पानी से लगाम १०-१५ मिनट तक धोएं। ४. यदि सांस द्वारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुद्ध हवा में ले जायें। **लक्षण:** सिरदर्द, भ्रूककर आना, धुंधला दिखना, मितली, उलटी, दस्त, झटके (मिरगी) अधिक पसीना आना, आंसू आना और लार टपकना हो सकते हैं। इस लेबल/पत्रिका में निर्दिष्टित उपयोगों के अलावा अन्य इस्तेमाल न करें। **निर्माता एवं विपणनकर्ता:** एफएएससी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, टीसीजी फाइनेंशियल सेंटर, २ वी मंजिल, सी-५३, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), बांद्रा सबर्बन, मुंबई - ४०००९८, महाराष्ट्र, भारत. **फंडेशनरी:** गोविं सिन्धुआ, पीएच आरिफिस मुबारकपुर, तहसिल - डेरा बल्सी, जिला : एस. ए. एस. नगर (मोहाली), पंजाब - 140507.

डरमेट® क्लोरपायरीफॉस २०% एसी (कीटनाशक)

रसायनिक संरचना : क्लोरपायरीफॉस टेक्नीकल (भारानुसार ९४% भार/भार आधारित) : २१.५०% भार/भार, इमल्सीफायर एनआयनिक (कैल्शियम एलकोल एरिल सल्फोनेट) नोन आयनिक पौलीआक्सिडेंटलिन ईथर : ६.०० %भार/भार, घोलक एरोमेक्स: ७२.५०% भार/भार, योग: १००.०००% भार/भार. **उपयोग:** इस कीटनाशक का उपयोग धान के ककेश रोमिल पर्ण वेल्मक, पौधा माड, तना छेदक, कपास के माहू, डोंडे की सुंड़ी, सफेद मक्खी, कजरा कीट, सक्त्रियों व फलों के कीटों की रोकथाम और दीमक से इमारतों व लकड़ी के बचाव एवं बीज शोधन व मिट्टी शोधन के लिये किया जाता है। **उपयोग के लिये निर्देश:** उपयोग से पहले संलग्न लीफलेट पढ़ें। **प्रयोगकर्ताओं के लिये सावधानियां :** १. खाद्य सामग्री, खाद्य सामग्री के खाली बर्तनों और पशुओं के चारे से दूर रहें। २. मुंह, त्वचा और आंखों के सम्पर्क से बचायें। ३. छिड़काव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचायें। हवा की दिशा में छिड़काव करें। ४. छिड़काव के बाद दूषित कपड़ों और शरीर के अंगों को अच्छी तरह धोएं। ५. छिड़काव के समय धुंधपान, खाना, पीना और कुछ बचाना नहीं चाहिए। ६. छिड़काव करते या मिलाने समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपड़े पहनें। **विषनाशक :** १. रोगी को तुरंत एट्रोपिन दीजिए और इसकी २ से ४ मि. ग्रा. तक की खुराक ५ से १० मिनट के अन्तराल पर अन्तः शिरा द्वारा लगातार देते हुए पूर्ण एट्रोपिनाइज रखिए। एक दिन में एट्रोपिन सल्फेट की अधिक से अधिक २५ से ५० मि. ग्रा. तक की मात्रा की आवश्यकता पड़ सकती है। एट्रोपिन सल्फेट की और मात्रा लक्षणों के बराबर रहते दी जा सकती है। एट्रोपिन की कितनी खुराक देनी चाहिए इसके लिए मुंह से निकलने वाली लार एक लाभदायक कसौती है। २. २.१ से २ ग्राम २ पी.ए.एम. १० मि.ली आसुत जल में घोलकर अन्तः शिरा द्वारा बहुत धीरे धीरे १० से १५ मिनट देना चाहिए। **प्राथमिक चिकित्सा:** १. यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उलटी कराएं यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उलटी द्वारा निगला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उलटी न कराये। २. यदि कपड़े और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपड़ों को उतार दें दूषित त्वचा को काफ़ी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं। ३. यदि आंखें दूषित हो जाये तो उनको काफ़ी मात्रा में सीलाइन/साफ पानी से लगाम १०-१५ मिनट तक धोएं। ४. यदि सांस द्वारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुद्ध हवा में ले जायें। **लक्षण:** सिरदर्द, भ्रूककर आना, धुंधला दिखना, मितली, उलटी, दस्त, झटके (मिरगी) अधिक पसीना आना, आंसू आना और लार टपकना हो सकते हैं। इस लेबल/पत्रिका में निर्दिष्टित उपयोगों के अलावा अन्य इस्तेमाल न करें। **निर्माता एवं विपणनकर्ता:** एफएएससी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, टीसीजी फाइनेंशियल सेंटर, २ वी मंजिल, सी-५३, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), बांद्रा सबर्बन, मुंबई - ४०००९८, महाराष्ट्र, भारत. **फंडेशनरी:** गोविं सिन्धुआ, पीएच आरिफिस मुबारकपुर, तहसिल - डेरा बल्सी, जिला : एस. ए. एस. नगर (मोहाली), पंजाब - 140507.

Keep out of reach of children.



Keep in cool, dry place away from heat and open flame.

बच्चों की पहुँच से दूर रखें।

रूखी और ठंठी जगह में खुली आस से दूर रखें।

Manufactured and Marketed by: FMC India Private Limited, TCG Financial Centre, 2nd Floor, C-53, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Bandra Suburban, Mumbai – 400098, Maharashtra, India. **Factory:** Village Nimbua, P.O. Mubarkpur, Tehsil Dera Bassi, Distt. S.A.S. Nagar (Mohali), Punjab – 140 507.

Customer Cell ☎: 1800 102 6545 or ✉: Ask@fmc.com or write at *FMC India address.

Net Quantity : 5 Litre

Regn. No./ रजि. नं.: CIR- 106076/2013-Chlorpyrifos (EC)(336)-1

Mfg. Lic. No./ उ. ला. नं.: LCPP/ADO/Mfg/17/1139)

Batch No./ बैच नं.:

Mfg. Dt./ मैच्यु. ता.:

Exp. Dt./शेषता ता.:

Max. Retail Price (Incl. of all taxes): ₹

अधिकतम खुदरा मूल्य (सभी करों सहित):